इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, सोमवार, 16 नवम्बर 2026

संकट और गतिरोध जब वे होते हैं तो कम से कम उनका एक फायदा होता है कि वे हमें सोचने पर मजबूर करते हैं।
-जवाहर लाल नेहरू

वर्ष 19 अंक 73 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 30.4°C (+1.1) न्यूनतम 18.4°C(+4.6) सेंसेक्स 81,592.45 (-318.55) निफ्टी 25,144.30 (-155.05) सोना 1,37,770 चांदी 1,95,000 मुद्रा - डालर 94.27 दिरहम 25.67 रियाल 25.14

टीबी से होने वाली मौतों में 35 प्रतिशत की आयी गिरावट

◎ समय पर जांच व इलाज से मिल रहा फायदा : प्रो. राजेन्द्र प्रसाद



लखनऊ (सं)। देश में टीबी उन्मूलन की दिशा में चल रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। मरीजों की समय पर पहचान, बेहतर उपचार और पोषण सहायता से टीबी से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की नवंबर 2026 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, टीबी से होने वाली मृत्युदर में 35 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 24 फीसदी था।

यह जानकारी एरा विश्वविद्यालय के रेडिसिन विभाग के डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने रविवार को होटल क्लार्क अवध में आयोजित नेशनल चेस्ट समिट में दी। उन्होंने कहा कि टीबी के खिलाफ लगातार चल रहे प्रयासों से मरीजों को समय पर उपचार मिल रहा है और इसका असर मृत्युदर पर दिखाई दे रहा है। बलरामपुर अस्पताल के पूर्व निदेशक डॉ. टीपी सिंह ने कहा कि अभियान के तहत मरीजों की पहचान कर उन्हें मुफ्त इलाज दिया जा रहा है। पोषण भत्ता भी उनके स्वास्थ्य में सुधार में मददगार है। लोहिया संस्थान के डॉ. निखिल गुप्ता ने कहा कि जागरूकता बढ़ने से अब मरीज जांच और इलाज के लिए आगे आ रहे हैं। नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के अध्यक्ष डॉ. दिगंबर बेहरा ने टीबी और फेफड़ों के कैंसर के लक्षणों में समानता का जिक्र करते हुए सटीक जांच को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि बिना पुष्टि टीबी का इलाज शुरू करना मरीज के लिए नुकसानदायक हो सकता है। डॉ. एसके कटियार ने भी कैंसर की समय पर पहचान पर जोर दिया। वहीं डॉ. रचित शर्मा ने कहा कि समय पर जांच और सही उपचार से मरीजों की स्थिति में सुधार संभव है।